यूपी के शुगर ट्रेडर्स को कल की फिक्र

यूपी सरकार और मिलों के बीच टकराव बढ़ने से शुगर ट्रेडर्स के धंधे पर असर होगा

[श्रेया जय *नई दिल्ली*]

पहले उत्तर प्रदेश की शुगर इंडस्ट्री ने कहा कि वह इस सीजन में काम बंद रखेगी। उसके बाद राज्य सरकार ने गन्ने की कीमत पिछले साल के बराबर तय कर दी। इससे शुगर ट्रेडर्स की मुश्किलें बढ़ गई हैं। ट्रेडर्स इस बात से खुश हैं कि अब पुराना स्टॉक क्लीयर हो जाएगा। उन्हें चीनी के दाम में बढ़ोतरी के आसार भी नजर आ रहे हैं। हालांकि, मिलों के बंद रहने से उनके कामकाज पर काफी असर पड़ सकता है।

कानपुर शुगर मर्चेंट एसोसिएशन के प्रेसिडेंट गोपाल माहेश्वरी ने कहा, 'क्या इस सीजन में शुगर मिलें काम करेंगी? क्या राज्य सरकार ने गन्ने की जो कीमत तय की है, वह दिसंबर तक के लिए फाइनल है? इनकी तस्वीर साफ होनी चाहिए। पुराना स्टॉक निकलने से चीनी की कीमत 32 रुपये किलो तक पहुंच सकती है। दाम इससे ऊपर भी जा सकते हैं।' अभी राज्य में चीनी की कीमत 29-30 रुपये किलो है। राज्य की शुगर इंडस्ट्री ने गुरुवार को कहा था कि वह राज्य में गन्ने की ज्यादा कीमत के चलते इस सीजन में काम नहीं करेगी। इसके एक दिन बाद राज्य सरकार ने आनन-फानन में गन्ने की कीमत 280 रुपये क्विंटल रखने का ऐलान किया, जो पिछले साल के बराबर है। इस मामले में मुजफ्फरनगर मंडी के सबसे बड़े ट्रेडर्स में से एक ने कहा, 'गन्ने की कीमत के ऐलान के बाद चीनी की जमाखोरी शुरू हो सकती है। मिलें और ट्रेडर्स पुराना स्टॉक क्लीयर करना चाहेंगे। यह हमारे लिए दोधारी तलवार वाली हालत है। चीनी के दाम में अब उतार-चढ़ाव बढ़ सकता है।' यह मामला आगे चलकर क्या मोड़ लेगा, इसे लेकर अटकलों का बाजार गर्म है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि महाराष्ट्र की चीनी राज्य में आ सकती है, जहां गन्ने की पेराई शुरू हो चुकी है। नेशनल फेडरेशन ऑफ शुगर को-ऑपरेटिव्स फैक्ट्रीज के हालिया अपडेट के मुताबिक महाराष्ट्र की 180 मिलों में से 80 में पेराई शुरू हो चुकी है। हालांकि, वहां भी गन्ने की कीमत को लेकर तस्वीर धुंधली बनी हुई है। फेडरेशन के एक सीनियर मेंबर ने बताया, 'मिलों को नवंबर तक गन्ने की कीमत तय किए जाने की उम्मीद है।' वहीं, कानपुर शुगर मर्चेंट्स एसोसिएशन के एक मेंबर ने कहा, 'दिवाली पर कोल्हापुर मंडी में चीनी की कीमत गिरकर 26 रुपये किलो हो गई थी। तब उत्तर भारत के ट्रेडर्स ने यहां से खरीदारी की और इसे उत्तर प्रदेश में बेचा।

ट्रेडर्स को इस टकराव का एक फायदा यह है कि उनका पुराना स्टॉक क्लीयर हो जाएगा

VN

Economic Times

25-11-13